* S B - 0 0 1 4 / 6 0 0 0 *

SB-0014

First Year B. A. Examination

March / April – 2011

Hindi : Paper-I

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **F. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **Hindi : Paper - I**

☛ Subject Code No. : **0 0 1 4** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **Nil**

Seat No. :

Student's Signature

(२) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

१ 'रश्मिरथी' के काव्य स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। १४

अथवा

१ परशुराम–शाप प्रसंग को बताते हुए, विशेषताए लिखिएँ। १४

२ 'नाश का त्यौहार' और 'पुष्प की अभिलाषा' काव्य में व्यक्त कवि की राष्ट्रीय भावना का परिचय दीजिए। १४

अथवा

२ 'नौकाविहार' काव्य में निरूपित प्रकृति चित्रण का निरूपण कीजिए। १४

३ 'कर्ण–कुन्ती' मिलन प्रसंग में व्यक्त मनोव्यथा का चित्रण कीजिए। १४

अथवा

३ 'संध्या सुंदरी' काव्य में व्यक्त संध्या सुंदरी का शब्दचित्र स्पष्ट कीजिए। १४

४ टिप्पणी लिखें : १४

(१) 'रश्मिरथी' में प्रकृति चित्रण।

अथवा

(१) अर्जुन का चरित्र।

(२) 'पंथ होने दे। अपरिचित' का भावार्थ।

अथवा

(२) 'ले चल वहाँ भुलावा देकर' का केन्द्रिय भाव।

५ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(१) उँच–नीच का भेद न माने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है
दया–धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है।
क्षत्रिय वही, भरी हो जिसमें निर्भयता की आग,
सबसे श्रेष्ठ वही ब्राह्मण हो जिसमें तप–त्याग।

अथवा

(१) ले अमोघ यह अस्त्र, काल को भी यह खा सकता है।
इसका कोई वार किसी पर विफल न जा सकता है।

(२) भारत नहीं स्थान का वाचक, गुण विशेष नर का है,
एक देश का नहीं शील यह भूखंड भर का है।
जहाँ कहीं एकता अखंडित, जहाँ प्रेम का स्वर है,
देश–देश में वहाँ खड़ा, भारत जीवित भास्वर है।

अथवा

(२) शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में
घृत मिश्रित सूखी समिधा–सम्
कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रंदन सुन आँसू से
तुज ने ही तो दृग धोए थे?